

**S-408**

**Total Pages : 5**

**Roll No. -----**

**MCM-602/MCM-202**

**Entrepreneurship Development/**

**उद्यमिता विकास**

**Master of Commerce (M.COM)**

**3<sup>RD</sup> Sem./2<sup>ND</sup> Year, Examination 2022(Dec.)**

**Time: 2 Hours**

**Max. Marks: 70**

**Note :** This paper is of Seventy (70) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

**नोट :** यह प्रश्न पत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

**P.T.O.**

**S- 408**

**1**

## Section – A / खण्ड –क

(Long Answer – type questions) / (दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note: Section 'A' contains Five (05) long-answer-type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any two (02) questions only.

[2 x 19 = 38]

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Q.1. What is meant by Entrepreneurship? Explain its nature and importance for entrepreneur and economy.

उद्यमिता से क्या अभिप्राय है? उद्यमी व अर्थव्यवस्था के लिए इसकी प्रकृति और महत्व की व्याख्या कीजिए।

Q.2. Define entrepreneur. Explain the importance of entrepreneur in a developing economy.

उद्यमी को परिभाषित कीजिए। एक विकासशील अर्थव्यवस्था में उद्यमी के महत्व की व्याख्या कीजिए।

Q.3. What do you mean by entrepreneurial competencies? Describe the traits of entrepreneur necessary for performing the role of decision maker.

उद्यमीय सामर्थ्य से आप क्या समझते हैं? निर्णयकर्ता की भूमिका के निर्वाह के लिए आवश्यक उद्यमी के गुणों का वर्णन कीजिए।

Q.4. What is the importance of finance for any business? What are the various sources available to Indian industries for raising working capital for their needs? Explain.

किसी भी व्यवसाय के लिए वित्त का क्या महत्व है? भारतीय उद्योग को अपनी आवश्यकता के लिए कार्यशील पूंजी प्राप्ति के कौन-कौन से स्रोत उपलब्ध हैं? व्याख्या कीजिए।

Q.5. Why do you mean by venture capital? Describe the advantages and disadvantages of venture capital financing. Also review the development of venture capital in India.

उद्यम पूँजी से आपका क्या आशय है? उद्यम पूँजी वित्त-पोषण के लाभ-दोषों का वर्णन कीजिए। साथ ही भारत में उद्यम पूँजी के विकास की समीक्षा भी कीजिए।

P.T.O.

## Section – B / खण्ड – ख

(Short-answer-type questions) / लघु उत्तरों वाले प्रश्न

Note: Section 'B' contains Eight (08) short-answer-type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any Four (04) questions only.

[4 x 8 = 32]

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

Briefly discuss any four (04) of the following:

निम्न में से किन्ही चार (04) पर संक्षेप में चर्चा कीजिए:

Q.1. Importance of Corporate Entrepreneurship.

निगमीय उद्यमिता का महत्व।

Q.2. Efforts made for the development of Entrepreneurship in India.

भारत में उद्यमिता के विकास के लिए किए गए प्रयास।

Q.3. Components of socio-economic environment of Entrepreneurship.

उद्यमिता के सामाजिक-आर्थिक वातावरण के घटक।

Q.4. Steps taken for the establishment of a Medium Size Business Enterprise.

एक मध्यम आकार के व्यावसायिक उपक्रम की स्थापना के लिए उठाए जाने वाले कदम।

Q.5. Importance of environment analysis for an entrepreneur.

उद्यमी के लिए वातावरण विश्लेषण का महत्व।

Q.6. Activities of the main specialized financial institutions in India.

प्रमुख भारतीय विशिष्ट वित्तीय संस्थाओं की क्रियाएँ।

Q.7. Responsibilities of entrepreneurs towards their customers.

उद्यमियों का उनके ग्राहकों के प्रति उत्तरदायित्व।

Q.8. Activities and progress of National Level Entrepreneurship Development Institutes.

राष्ट्र स्तरीय उद्यमिता विकास संस्थाओं की क्रियाएँ एवं प्रगति।

\*\*\*\*\*